# किरपा करना हे छठी मइया

किरपा करना हे छठी मइया,
दुःख तू हरना हे छठी मइया
कोख चेहकत रहे मांग चमकत रहे,
मेरे व्रत को सफल करना,

तेरे व्रत की है महिमा बड़ी अरग देने को जल में खड़ी,
सूर्ये देवता है निरथ अब ना आये गे तब सबकी उनपे नजर है गड़ी,
खुश रहे हम सदा अपने परिवार में,
किरपा करना हे छठी मइया,
दुःख तू हरना हे छठी मइया

तूने जग को उभारा है माँ,
अपने भक्तो को तारा है माँ,
तृप्ति को तृप्ति है तुम से जो कुछ मिला,
प्यार नाम ने पुकारा है माँ,
मैं तेरा व्रत करू सुन ले जब जब माँ,
किरपा करना हे छठी मइया,
दुःख तू हरना हे छठी मइया

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/7592/title/kirpa-karna-he-chathi-maiyan-dukh-tu-harna-he-chathi-maiya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |